# उत्कृष्टता केन्द्र
## (सेंटर ऑफ एक्सीलेन्स)

**वसुन्धरा राजे**
**मुख्यमंत्री, राजस्थान**

किसान की उन्नति से ही हमारे पूरे प्रदेश की प्रगति संभव है। हमने किसान भाइयों के लिए राज्य में कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। आप सभी उनका फायदा उठायें व परम्परागत खेती के साथ ही खेती के नये तरीकों व तकनीकों को अपनाएं।

हरित क्रांति, पीत क्रांति, श्वेत क्रांति व नीली क्रांति अब तक हो चुकी हैं, अब हमारा सपना राज्य में सदाबहार क्रांति (Evergreen Revolution) लाने का है। इसके लिए हमारी सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है।

**प्रभुलाल सैनी**
**कृषि मंत्री, राजस्थान**

राज्य के विकास में हमारा मेहनतकश किसान एक अहम कड़ी है। राजस्थान सरकार किसानों के प्रति समर्पित है। हम चाहते हैं कि हमारे किसान भाई कम पानी, कम लागत, अधिक उत्पादन, उच्च तकनीक, संरक्षित खेती, अधिक मूल्य वाली फसलें उगाना आदि नवाचारों को अपनाएं और आगे बढ़ें।

## उत्कृष्टता केन्द्र (सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स)

राजस्थान में फसल विविधीकरण के तहत कृषकों को अधिक उत्पादन, प्रति इकाई क्षेत्रफल अधिक लाभ, अधिक रोजगार सृजन एवं टिकाऊ खेती के लिए विभिन्न फसलों के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना की है। इस क्रम में इज़राईल के तकनीकी सहयोग से राज्य में निम्नलिखित सेन्टर आफ एक्सीलेन्स की स्थापना की जा रही है–

- सिट्रस उत्कृष्टता केन्द्र, नान्ता, कोटा
- अनार उत्कृष्टता केन्द्र, बस्सी, जयपुर
- खजूर उत्कृष्टता केन्द्र, सगरा भोजका, जैसलमेर
- अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र, देवड़ावास, टोंक
- संतरा उत्कृष्टता केन्द्र, झालावाड़
- आम उत्कृष्टता केन्द्र, खेमरी, धौलपुर (निर्माणाधीन)
- सब्जी उत्कृष्टता केन्द्र, बून्दी (निर्माणाधीन)
- सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र, चित्तौड़गढ़ (निर्माणाधीन)
- फूलों का उत्कृष्टता केन्द्र, सवाईमाधोपुर (निर्माणाधीन)

## सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना के उद्देश्य

- फसल विशेष के संपूर्ण विकास हेतु कार्य करना।
- उत्कृष्टता केन्द्रों पर मातृवृक्ष, प्रदर्शन ब्लॉक, रूटिंग चेम्बर, शेडनेट हाऊस एवं ग्रीन हाउस की स्थापना कर केन्द्र पर कृषकों को वितरित करने हेतु उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों का उत्पादन।
- कृषकों को समय की बचत हेतु सब्जी फसलों की पौध तैयार कर वितरित करना।
- फसल विशेष की खेती में आ रही कृषकों की समस्याओं का निराकरण।
- फसल विशेष से अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु पैकेज ऑफ प्रेक्टिस का विकास करना।
- केन्द्र पर प्रशिक्षण की मूलभूत सुविधाओं का विकास कर कृषकों एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को फसल के समस्त तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण देना।
- चयनित फसल का फसलोत्तर प्रबन्धन सुविधाओं का विकास करके कृषकों को फसलोत्तर प्रबन्धन विषय पर भी प्रशिक्षण उपलब्ध करवाना।

## सिट्रस उत्कृष्टता केन्द्र, नान्ता, कोटा

इस केन्द्र का लोकार्पण माननीय मुख्यमंत्री महोदया, राजस्थान एवं भारत में इज़राईल के राजदूत द्वारा दिनांक 20.04.16 को किया जा चुका है।

**मुख्य आकर्षण**

- केन्द्र पर 5 प्रकार के फलों के 384 मातृवृक्षों का 4000 वर्गमीटर सरंक्षित क्षेत्र में रोपण किया जा चुका है।
- केन्द्र पर 6 प्रकार के फलों के मातृवृक्षों का 5184 वर्गमीटर क्षेत्र में 5184 रोपण किया जा चुका है।
- सिट्रस की किस्में: नागपुरी संतरा, नागपुर सीडलेस, माईकल, जाफा, वोकामारियाना, क्लेमनटाईन
- 2000 वर्गमीटर क्षेत्र में प्राइमरी नर्सरी के लिये हाई–टेक पॉलीहाउस की स्थापना।
- 5000 वर्गमीटर क्षेत्र में द्वितीय नर्सरी हेतु इन्सेक्ट वेक्टर नैट की स्थापना।
- दम्पत्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम झालावाड़ एवं कोटा जिले में प्रारम्भ।
- संतरा के ग्राफ्टेड पौधों का वितरण प्रारम्भ कर दिया गया है।
- नींबू वर्गीय फलों की खेती पर तकनीकी साहित्य तैयार कर कृषकों में वितरित।
- कृषकों को नींबू वर्गीय फलों की खेती पर तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन।
- अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों हेतु सेमिनार/कार्यशाला का आयोजन।

## अनार उत्कृष्टता केन्द्र, बस्सी, जयपुर

राज्य में अनार फसल की जलवायु अनुकूलता के मद्देनजर अनार फसल पर विशेष ध्यान दिये जाने हेतु अनार के उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गई है। इस केन्द्र के मुख्य आकर्षण निम्नानुसार है–

- केन्द्र पर 4 किस्मों के 1264 मातृ वृक्षों का रोपण किया जा चुका है
- अनार की किस्में: भगवा, सुपर भगवा, मृदुला एवं वन्डरफुल
- प्रदर्शन ब्लॉक की 3.00 हेक्टेयर में स्थापना की जा चुकी है
- 250 वर्गमीटर के चार रुटींग चैम्बर की स्थापना। प्रत्येक की क्षमता – 17000 कटिंग
- 2000 वर्गमीटर क्षेत्र में ग्रीन हाउस की स्थापना ताकि पौधों की हार्डनिंग की जा सके।
- 2000 वर्गमीटर क्षेत्र में शेडनेट की स्थापना ताकि पौधों की द्वितीय हार्डनिंग की जा सके।
- पौधों के उत्पादन का कार्य प्रारम्भ कर कृषकों को अनार के उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों का वितरण भी प्रारम्भ कर दिया गया है।
- अनार की खेती पर तकनीकी साहित्य तैयार कर कृषकों में वितरित।
- कृषकों को अनार की खेती पर तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन।
- बाड़मेर जिले में थार अनार को प्रोत्साहन।

## खजूर उत्कृष्टता केन्द्र, सगरा भोजका, जैसलमेर

राज्य की शुष्क जलवायु क्षेत्र के जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जालौर, जोधपुर, सिरोही, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर ज़िलों में खजूर फसल की अनुकूलता के मद्देनजर जैसलमेर जिले में खजूर के उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गयी है।

### मुख्य आकर्षण

- केन्द्र पर 90 हैक्टेयर में विभिन्न किस्मों के टिश्यूकल्चर पौधों का रोपण।
- खजूर की खेती पर तकनीकी साहित्य तैयार कर कृषकों में वितरित।
- कृषको को प्रशिक्षण प्रारम्भ एवं सेमिनार आदि का आयोजन।

## अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र, देवड़ावास, टोंक

राज्य के सवाईमाधोपुर, करौली, टोंक, बून्दी आदि ज़िलों में अमरूद फसल की अनुकूलता के मद्देनजर टोंक जिलें में अमरूद उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गई है।

### मुख्य आकर्षण

- केन्द्र पर अमरूद की 12 किस्मों के पौधों के मातृवृक्ष एवं प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना का कार्य पूर्ण।
- अमरूद की किस्में : ललित, श्वेता, एल–49, इलाहाबाद सफेदा, पंत प्रभात, एमपीयुएटी सलेक्शन 1 एवं 2, हिसार सुर्ख, हिसार सफेदा, अर्का अमूल्या, अर्का मृदुला, एपल कलर।
- केन्द्र पर सोलर सिस्टम, ड्रिप सिस्टम, आटोमेशन आदि कार्य पूर्ण।
- अन्य कार्य यथा 250 वर्गमीटर क्षेत्र में हाईटेक ग्रीन हाउस, 1000 वर्गमीटर में नेचुरली वेन्टीलेटेड पॉलीहाउस एवं 2000 वर्गमीटर क्षेत्र में द्वितीय नर्सरी हेतु शेडनेट की स्थापना आदि कार्य प्रक्रियाधीन।

## संतरा उत्कृष्टता केन्द्र, झालावाड़

राज्य के झालावाड़ ज़िले में संतरा फसल का सर्वाधिक क्षेत्रफल होने के कारण झालावाड़ ज़िले में सतरा उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जा रही है।

**मुख्य आकर्षण**

- केन्द्र पर संतरे के मातृवृक्ष एवं प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना का कार्य चल रहा है।
- केन्द्र द्वारा संतरे के उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों का उत्पादन कर झालावाड़ एवं अन्य ज़िलों में कृषकों को पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे।
- केन्द्र द्वारा संतरा उत्पादक कृषकों की समस्त समस्याओं के तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान देकर समस्या का निराकरण किया जायेगा।
- केन्द्र पर संतरा उत्पादन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन कर कृषकों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि की जायेगी।

## आम उत्कृष्टता केन्द्र, खेमरी, धौलपुर

राज्य में आम की खेती को बढ़ावा दिये जाने हेतु आम पर विशेष ध्यान दिने की आवश्यकता के मद्देनजर धौलपुर ज़िले में आम के उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जा रही है।

**विशेष आकर्षण**

- केन्द्र पर आम के मातृवृक्ष एवं प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना का कार्य चल रहा है।
- केन्द्र द्वारा आम के उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों का उत्पादन कर राज्य के कृषकों को पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे।
- केन्द्र द्वारा आम उत्पादक कृषकों की समस्त समस्याओं के तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान देकर समस्या का निराकरण किया जायेगा।
- केन्द्र पर आम उत्पादन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन कर कृषकों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि की जायेगी।
- केन्द्र द्वारा आम पर तकनीकी साहित्य तैयार कर कृषकों में वितरित किया जायेगा।

## सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र, चित्तौड़गढ़

राज्य के चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमन्द, बासंवाड़ा आदि ज़िलों में सीताफल की खेती को बढ़ावा दिये जाने हेतु चित्तौड़गढ़ ज़िलें में सीताफल का उत्कृष्टता केन्द्र खोला जा रहा है।

- केन्द्र पर सीताफल के मातृवृक्ष एवं प्रदर्शन क्षेत्र की स्थापना का कार्य किया जायेगा ताकि विभिन्न किस्मों के पौधें केन्द्र पर तैयार किये जा सके एवं उनका वितरण कृषकों में किया जा सके।
- केन्द्र द्वारा सीताफल उत्पादक कृषकों की समस्त समस्याओं के तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान देकर समस्या का निराकरण किया जायेगा।
- केन्द्र पर सीताफल के उत्पादन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।

इसके अतिरिक्त सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन कर कृषकों की तकनीकी क्षमता में वृद्धि की जायेगी।

- केन्द्र द्वारा सीताफल पर तकनीकी साहित्य तैयार कर कृषकों में वितरित किया जायेगा।

## सब्जी फसलों का उत्कृष्टता केन्द्र, बून्दी

राज्य में सब्जी फसलों की खेती विभिन्न ज़िलों में की जा रही है। अतः सब्जी फसलों पर विशेष ध्यान देने हेतु राज्य सरकार द्वारा बून्दी ज़िलें में सब्जी फसलों का उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जा रही है।

- केन्द्र पर विभिन्न सब्जी फसलों की हाईब्रिड किस्मों के प्रदर्शन प्राथमिकता से लगाये जायेंगे ताकि कृषकों में अधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रचार प्रसार किया जा सके।
- सब्जी फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त किये जाने हेतु सरंक्षित वातावरण यथा ग्रीन हाउस, शेडनेट हाउस, मल्च, लो टनल आदि में सब्जी फसलों के प्रदर्शन लगाये जायेंगे।
- कृषकों को उच्च उत्पादन क्षमता वाली सब्जी फसलों की पौध को केन्द्र पर तैयार कर कृषकों में वितरित किया जायेगा।
- कृषकों को सब्जी की विभिन्न फसलों की खेती के विभिन्न पहलुओं पर तकनीकी प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा।

## फूलों का उत्कृष्टता केन्द्र, सवाईमोधापुर

राज्य में विभिन्न प्रकार के फूलों जैसे देशी गुलाब, ग्राफ्टेड गुलाब, ग्लेडियोलस, कारनेशन, जरबेरा आदि फसलों की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है किन्तु वर्तमान में कृषकों में फूलों की खेती के प्रति अधिक रुझान नहीं है। अतः राज्य के कृषकों में फूलों की खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए सवाईमाधोपुर ज़िले में फूलों का उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की जा रही है–

- राज्य की जलवायु में हो सकने वाली समस्त फूलों के प्रर्दशन केन्द्र पर लगाये जायेंगे।
- फूलों से अधिक एवं उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पादन प्राप्त किये जाने हेतु विभिन्न फूल वाली फसलों को संरक्षित वातावरण यथा ग्रीन हाउस एवं शेडनेट हाउस में प्रदर्शन लगाये जायेंगे।
- कृषकों को फूलों की विभिन्न फसलों की खेती के विभिन्न पहलुओं पर तकनीकी प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमिनार का आयोजन किया जायेगा।
- कृषकों को फूलों की खेती के विभिन्न पहलुओं पर दक्ष किये जाने हेतु तकनीकी साहित्य तैयार कर कृषकों में वितरित किया जायेगा।

ग्राम
9-11 नवम्बर 2016
जयपुर

**उन्नत किसान**
**ख़ुशहाल राजस्थान**


उद्यान निदेशालय, राजस्थान
पंत कृषि भवन, जनपथ, सी–स्कीम, जयपुर 302 005
T: +91 141 238 5806 | W: agriculture.rajasthan.gov.in
E: hortiraj_rj@gov.in


अधिक जानकारी के लिए किसान कॉल सेन्टर **1800 180 1551**
पर बात करें या अपने पास के कृषि पर्यवेक्षक या अपने ज़िले के
उप निदेशक कृषि या सहायक निदेशक उद्यान विभाग के कार्यालय में सम्पर्क करें

ग्लोबल
राजस्थान
एग्रीटेक मीट
9-11 नवम्बर 2016
जयपुर